राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम

राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम

राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम (एन0पी0सी0बी0) का आरम्भ 1976 में किया गया था। इस कार्यक्रम के विविध कार्यकलापों मं नेत्रविज्ञान के क्षेत्रीय संस्थान स्थापित करना, चिकित्सा महाविद्यलायों और अस्पतालों का उन्नयन, सचल नेत्र इकाईयों का विकास, अपेक्षित नेत्रविज्ञानियों की भर्ती और विभिन्न नेत्रविज्ञानी सेवाओं का प्रावधान शामिल है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्यतः मोतियाबिन्द का ऑपरेशन एवं स्कूली बच्चों के नेत्र परीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

मोतियाबिन्द का ऑपरेशनः—

मोतियाबिन्द का ऑपरेशन जिला समिति द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तक के सभी सरकारी अस्पताल में जहाँ शल्य चिकितसा कक्ष उपलब्ध हो, शिविर लगाकर करते हैं, दवा एवं चश्में की खरीद, जिला अंधापन नियंत्रण समिति द्वारा की जाती है। आई0ओ0एल0 एवं सूचना राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा उपलब्ध कराये जाते हैं। मोतियाबिन्द का ऑपरेशन गैर सरकारी संस्था के द्वारा भी कराया जाता है। प्रत्येक मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए गैर सरकारी संस्था को लेंस रहित के लिए 500/— (पाँच सौ रुपये) एवं लेंस सहित के लिए 750/— (सात सौ पचास रुपये) देने का प्रावधान किया गया है।

		ICCE	ECCE/IOL	Phaco
a	Drugs and consumables	150	200	200
b	Sutures	50	50	0
c	Spectacles	125	125	125
d	Transport/POL	100	100	100
e	Organisation & Publicity	75	75	75
f	IOL, Viscoelastics & Addl.consum	0	200	250
	Total	**500**	**750**	**750**

गैर सरकारी संस्थाओं को मोतियाबिन्द ऑपरेशन करने के बाद समुचित ऑपरेशन विपत्र जमा करने के बाद भुगतान किया जाना चाहिए। जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा अधिकृत व्यक्ति से कम से कम 5 प्रतिशत मोतियाबिन्द रोगियों को उनके ऑपरेशन स्थल पर उनके छोड़े जाने के पूर्व सर्वेक्षण करना चाहिए।

विगत छः वर्षों में मोतियाबिन्द ऑपरेशन कार्यक्रम की उपलब्धि

Sl. No.	Year	Target	Achievement	Percentage
1	2004-2005	140000	102531	73.24
2	2005-2006	140000	131860	94.19
3	2006-2007	140000	129064	92.19
4	2007-2008	140000	137685	98.35
5	2008-2009	150000	154817	103.21
6	2009-2010	150000	122380	81.59

2. स्कूली बच्चों के नेत्र परीक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत स्कूली बच्चों के नेत्र परीक्षण का वृहत कार्यक्रम जिला अंधापन नियंत्रण समिति के माध्यम से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य है जिले के सभी बच्चों जो कक्षा 5 से 7 के छात्र है या जिनकी उम्र 10–14 वर्ष की है, का नेत्र परीक्षण कराया जाय ताकि समय पर इनके दृष्टि दोष की पहचान की जा सके। नेत्र परीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत स्कूली शिक्षकों को बच्चों की दृष्टि दोष की पहचान के लिए उपयोग किया जाता है। स्कूली बच्चों के नेत्र परीक्षण कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को प्रशिक्षित कर उनके सहयोग से स्कूली बच्चों का नेत्र परीक्षण कर दृष्टि पाये जानेवाले बच्चों को उचित चश्मा पहनने की सलाह देना एवं गरीबी रेखा से नीचे बसर करने वाले परिवार के बच्चों में निःशुल्क वितरण करना, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

विगत पाँच वर्षों से स्कूली बच्चों के नेत्र परीक्षण कार्यक्रम की उपलब्धि

2005-2006	2795	297278	7145	406
2006-2007	3149	243095	4324	262
2007-2008	5885	284398	6228	821
2008-2009	1199	257928	8526	631
2009-2010	2838	370329	11345	7495

राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत किये गये अन्य कार्य निम्न है :–

1. वित्तीय वर्ष 2006–07 में आई केयर यूनिट एवं आई बैंक के विस्तार के लिए गैर सरकारी संस्थान नेत्र ज्योति सेवा मंदिरम् विरायतन, राजगीर को 35,00,000.00 (पैंतीस लाख रुपये) की राशि स्वीकृतह की गई है। भारत सरकार से प्राप्त राशि से प्रथम किस्त के रूप में आई केयर यूनिट विस्तार/उत्क्रम के लिए 12,50,000.00 (बारह लाख पचास हजार रुपये) एवं नेत्र अधिकोष के लिए 5,00,000.00 (पाँच लाख रुपये) नेत्र ज्योति सेवा मंदिरम विरायतन, राजगीर को विमुक्त कर दिए गए है। यदि आई बैंक की स्थापना कर दी गई है जो कार्यरत है।

2. वित्तीय वर्ष 2007–08 में 35,00,000.00 (पैंतीस लाख रुपये) की राशि आई केयर यूनिट के विस्तार एवं नेत्र अधिकोष के लिए मुजफ्फरपुर आई हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर को स्वीकृत की गई

है एवं भारत सरकार से प्राप्त राशि से प्रथम किस्त के रूप में आई केयर यूनिट के विस्तार/उत्क्रमण के लिए 12,50,000.00 (बारह लाख पचास हजार रुपये) एवं नेत्र अधिकोष के लिए 10,00,000.00 (दस लाख रुपये) मुजफ्फरपुर आई हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर को विमुक्त को विमुक्त कर दिए गए है।

3. वित्तीय वर्ष 2006–07 में भारत सरकार से प्राप्त राशि 1,74,00,000.00 (एक करोड़ चौहत्तर लाख रुपये मात्र) विभिन्न जिला स्वास्थ्य समिति, अंधापन डिवीजन को विमुक्त की गयी।

4. वित्तीय वर्ष 2006–07 में संस्थान के उत्क्रमण के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद हेतु क्षेत्रीय चक्षु संस्थान, आई0जी0आई0एम0एस0, शेखपुरा, पटना, नालन्दा मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पटना तथा दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दरभंगा को तीस–तीस रुपये की राशि विमुक्त की गयी। उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है।

5. वित्तोय वर्ष 2007–08 में संस्थान के उत्क्रमण के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद हेतु पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पटना को 27,60,000.00 (सताईस लाख साठ हजार रुपये) की राशि विमुक्त की गयी।

6. वित्तीय वर्ष 2007–08 में भारत सरकार से प्राप्त कुल राशि 60,00,000.00 (साठ लाख रुपये) को जवाहर लाख नेहरू महाविद्यालय, भागलपुर एवं अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया को तीस–तीस लाख रुपये को उपकरणों की खरीद हेतु विमुक्त की गयी। उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया जारी है।

7. राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सुदूर ग्रामीण इलाकों में जहाँ नेत्र चिकित्सक/नेत्र सहायक उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा Vision Centre खोलने हेतु भारत सरकार से प्राप्त राशि 6,25,000.00 को 25 जिला स्वास्थ्य समिति संस्थान–अंधापन डिविजन में विमुक्त कर दी गयी है।

8. विगत दो वर्षों में 118 नेत्र सहायको, 142 चिकित्सा पदाधिकारियों (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र) एवं 95 नर्सों को नेत्र चिकित्सा में विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

9. वित्तीय वर्ष 2008–09 में भारत सरकार से प्राप्त में से कुल 1,27,50,000.00 (एक करोड़ सताईस लाख पचास हजार रुपये मात्र) विभिन्न जिला स्वास्थ्य समिति, अंधापन डिवीजन को विमुक्त की गयी।

10. नेत्र चिकित्सा में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये अभी तक कुल 97 नेत्र चिकित्सको को देश के विभिन्न उच्च स्तरीय संस्थानों में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया।

11. समेकित बाल विकास के कार्यक्रताओं एवं आशा को प्रत्येक मोतियाबिन्द मरीज को ऑपरेशन स्थल पर लाने एवं ऑपरेशन उपरान्त रहने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में उन्हें कुल 175/– रुपय प्रति मोतियाबिन्द मरीज की दर से राशि भुगतेय होगी। मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु निर्धारित राशि में यातायात ईधन एवं प्रचार प्रसार की राशि से भुगतेय होगी।

12. राज्य में गैर सरकारी संस्थानों की भागीदारी सृदृढ़ करने के लिए साईट सेवर्स इण्टरनेशनल के सहयोग से विभिन्न सात जिलों किशनगंज, कटिहार, बेगुसराय, भागलपुर, मुंगेर, समस्तीपुर एवं पूर्णिया जिलों में आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने हेतु साईट सेवर्स इण्टानेशन के साथ (MOU) हस्ताक्षरित किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय अंधापन कार्यक्रम की उपलब्धि में एक नयी दिशा है।

13. राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सुदूर ग्रामीण इलाको में जहाँ नेत्र चिकित्सक/नेत्र सहायक उपलब्ध नहीं है, वहाँ नेत्र परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/गैर सरकारी संस्थाओं को Vision Centre खोलने हेतु भारत सरकार के प्राप्त राशि 50,000.00 को जिला स्वास्थ्य समिति अंधापन डिविजल के माध्यम से वितरित किया जायेगा। इस राशि को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/गैर सरकीर संस्थानों द्वाना निम्न उपकरणों में उपयोग किया जाना है।

14. वित्तीय वर्ष 2009–10 में भारत सरकार से प्राप्त राशि में से कुल 1,90,40,979/– (एक करोड़ नब्बे लाख चालीस हजार नौ सौ उनासी रुपये मात्र) विभिन्न जिला स्वास्थ्य समिति, अंधापन डिवीजन को विमुक्त की गयी।

15. वित्तीय वर्ष 2009–10 में नेत्र संस्थान के उत्क्रमण के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद हेतु पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पटना को 40,00,000.00 (चालीस लाख रुपये) की राशि विमुक्त की गयी।

16. वित्तीय वर्ष 2009–10 में नेत्र संस्थान क उत्क्रमण के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद हेतु क्षेत्रीय चक्षु संस्थान, आई0जी0आई0एम0एस0, शेखपुरा, पटना, नालन्दा मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पटना तथा दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दरभंगा को चालीस–चालीस लाख रुपये कुल 1,20,00,000.00 (एक करोड़ बीस लाख रुपये मात्र) की राशि विमुक्त की गयी।

17. मोतियाबिन्द का ऑपरेशन को शत् प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति करने हेतु राज्य स्तर से 30 हजार आई0ओ0 लेंस की खरीद की गई। जिसे जिलों के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तक के सभी सरकारी अस्पताल में जहाँ शल्य चिकित्सा कक्ष उपलब्ध हो, शिविर लगाकर करते हैं, उपलब्ध कराया गया। साथ ही गैर सरकारी संस्थाओं को भी मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु करने के बाद समुचित ऑपरेशन आई0ओ0 लेंस मुहैया करायी गई, जिससे मोतियाबिन्द का ऑपरेशन कार्यक्रम शत् प्रतिशत क्रियान्वित हो सके।

18. 26 नेत्र सहायकों को नेत्र चिकित्सा में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु देश के विभिन्न उच्च स्तरीय संस्थानों में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया।